

प्रेषक,

अतर सिंह,
उप सचिव,
उत्तरांचल, देहरादून

सेवा में,

महानिदेशक,
चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,
उत्तरांचल, देहरादून ।

चिकित्सा अनुभाग-4

देहरादून: दिनांक 12 अप्रैल, 2006

विषय:- वर्ष 2003-04 में अंधता निवारण कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद बागेश्वर, चम्पावत एवं रुद्रप्रयाग में सृजित अस्थाई पदों की वर्ष 2006-07 हेतु निरन्तरता ।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-64/निय0/30/2003/10751 दिनांक 25.03.2006 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय शासनादेश संख्या-889/xxviii-3-2004-80/2004 दिनांक 24.12.2004 द्वारा वर्ष 2003-04 में अंधता निवारण कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद बागेश्वर, चम्पावत एवं रुद्रप्रयाग में सृजित अस्थाई 05 (पांच) पदों को इसके सृजन सम्बन्धी शासनादेश दिनांक 24.12.2004 में उल्लिखित शर्तों के अधीन दिनांक 28.2.2007 तक चलते रहने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं ।

2- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2006-07 के अनुदान संख्या-12, लेखाशीर्षक 2210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य, 01-शहरी स्वास्थ्य सेवाएँ-पारिचाल्य चिकित्सा पद्धति, 200-अन्य स्वास्थ्य सेवाएँ आयोजनागत-00-03-प्रदेश में अन्धेपन को रोकथाम नामक योजना के अन्तर्गत कौ सुसंगत इकाईयों के नामे डाला जायेगा ।

3- यह आदेश वित्त विभाग द्वारा प्रतिनिधित्व अधिकारों के अन्तर्गत जारी किए जा रहे हैं ।

भवदीय

(अतर सिंह)

उप सचिव

संख्या-230(1)/xxviii -4-2006-80/2004 तददिनांकित ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल, मावरा देहरादून ।
- 2- निदेशक कौषागार, उत्तरांचल देहरादून ।
- 3- मुख्य कौषाधिकारी, देहरादून ।
- 4- वित्त(व्यय नियंत्रण)अनु0-3 ।
- 5- गार्ड फाईल / एन0अई0सी0

आज्ञा से,

(अतर सिंह)

उप सचिव